ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

दिसम्बर 12 2025 DECEMBER

विक्रम संवत् 2082	श्रीशालिवाहन शाके 1947	फसली सन् 1433	इस्लामी हिजरी सन् 1447	बंगला संवत् 1432	नेपाली संवत् 1146
मार्गशीर्ष शुक्ल 11 से पौष शुक्ल 12 तक। ता. 5 से पौष मास प्रारम्भ।	राष्ट्रीय अग्रहायण 10 से पौष 10 तक। ता. 22 से पौष मास प्रारम्भ।	प्र. मघर 26 से प्र. पूस 27 तक। ता. 5 से प्र. पूस आरम्भ।	जमादि उस्सानी 10 से रज्जब 10 तक। ता. 22 से रज्जब माह शुरू।	मार्गशीर्ष 15 से पौष 15 तक। ता. 17 से पौष मास प्रारम्भ।	मार्गशीर्ष 15 गते से पौष 16 गते तक। ता. 16 से पौष मास प्रारम्भ।

दूध का हिसाब

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	31

भद्रा-विचार

ता.1 दिन 2:21 तक।
ता.4 प्रातः 7:41 से सायं 6:30 तक।
ता.7 दिन 11:53 से रात 10:55 तक।
ता.10 रात 7:10 से ता.11 प्रातः 6:59 तक।
ता.14 दिन 8:12 से रात 8:46 तक।
ता.17 रात 2:25 से ता.18 दिन 3:31 तक।
ता.23 रात 10:43 से ता.24 दिन 10:53 तक।
ता.27 दिन 8:53 से रात 8:8 तक।
ता.30 दिन 2:20 से रात 1:13 तक।

तेजी-मंदी

धान्य-गल्ला रुई वस्त्र, रसपदार्थ, धातु, सोना-चाँदी, घी-गुड़, खाड़-जी-चूना-चाँवल तथा केराना तेज होगा।

पंचक विचार

ता. 1 को रात 7:44 तक।
ता.24 को सायं 5:41 से।
ता.28 को रात 3:44 तक।

रवि SUN		पौष कृष्ण तृतीया रात 10:55 तक, भद्रा, **7**, कर्क चं. रात 3:31 से, आर्द्रा दिन 10:22 तक	पौष कृष्ण दशमी रात 8:46 तक, भद्रा, **14**, तुला चं. रात 11:54 से, हस्त दिन 10:56 तक	पौष शुक्ल प्रतिपदा दिन 8:21 तक, **21**, चन्द्रदर्शन, धनु चं. पू.षा. रात 3:15 तक	पौष शुक्ल, **28**, मेष चं. रात 3:44 से, रेवती रात 3:44 तक
सो MON	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी दिन 2:20 तक, भद्रा, **1**, एकादशी व्रत, मेष चं. रात 7:44 से, रेवती रात 7:44 तक	पौष कृष्ण चतुर्थी रात 9:18 तक, **8** गणेश चतुर्थी व्रत, कर्क चं. पुनर्वसु दिन 9:14 तक	पौष कृष्ण एकादशी रात 10:22 तक, **15**, एकादशी व्रत, तुला चं. चित्रा दिन 12:51 तक	पौष शुक्ल द्वितीया दिन 9:40 तक, **22**, मकर चं. दिन 9:28 तक, उ.षा. रात 4:36 तक	पौष शुक्ल दशमी रात 3:27 तक, भद्रा, **29**, मेष चं. अश्विनी रात 2:20 तक
मं TUE	मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी दिन 12:16 तक, **2**, प्रदोष व्रत, मेष चं. अश्विनी सायं 6:18 तक	पौष कृष्ण पंचमी रात 8:1 तक, **9**, कर्क चं. पुष्य दिन 8:26 तक	पौष कृष्ण द्वादशी रात 12:17 तक, **16**, धनु संक्रान्ति, तुला चं. स्वाती दिन 3:9 तक	पौष शुक्ल तृतीया दिन 10:33 तक, **23**, मकर चं. श्रवण रात 5:37 तक	पौष शुक्ल एकादशी रात 1:13 तक, **30**, एकादशी व्रत, वृष चं. रा.शे. 6:22 से, भरणी रात 12:46 तक
बु WED	मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी दिन 10:1 तक, **3**, वृष चं. रात 10:16 तक, भरणी सायं 4:41 तक	पौष कृष्ण षष्ठी रात 7:10 तक, भद्रा, **10**, सिंह चं. प्रा. 7:58 से, श्लेषा प्रात 7:58 तक	पौष कृष्ण त्रयोदशी रात 2:35 तक, भद्रा, **17**, प्रदोष व्रत, वृश्चिक चं. दिन 11:3 से, विशाखा सायं 5:41 तक	पौष शुक्ल चतुर्थी दिन 10:52 तक, **24**, कुम्भ चं. सायं 5:41 से, धनिष्ठा रा.शे. 6:5 तक	पौष शुक्ल द्वादशी रात 10:51 तक, **31**, वृष चं. कृत्तिका रात 11:7 तक
गु THU	मार्ग. शुक्ल चतुर्दशी प्रातः 7:44 तक, पूर्णिमा रा.शे. 5:18 तक, भद्रा, **4**, स्नान-दान पूर्णिमा, वृष चं. कृत्तिका दिन 3:2 तक	पौष कृष्ण सप्तमी सायं 6:48 तक, भद्रा, **11**, सिंह चं. मघा प्रातः 7:58 तक	पौष कृष्ण चतुर्दशी रात 4:35 तक, भद्रा, **18**, वृश्चिक चं. अनुराधा रात 8:19 तक	पौष शुक्ल पंचमी दिन 10:41 तक, भद्रा, **25** बड़ा दिन, कुम्भ चं. शतभिषा रा.शे. 6:7 तक	
शु FRI	पौष कृष्ण प्रतिपदा रात 3:1 तक, **5**, मिथुन चं. रात 12:35 से, रोहिणी दिन 1:22 तक	पौष कृष्ण अष्टमी सायं 6:56 तक, **12**, कन्या चं. दिन 2:41 से, पू.फा. दिन 8:26 तक	पौष कृष्ण अमावस्या रा.शे. 6:37 तक, **19**, अमावस्या, धनु चं. रात 10:51 से, ज्येष्ठा रात 10:51 तक	पौष शुक्ल षष्ठी दिन 10:0 तक, भद्रा, **26**, मीन चं. रात 11:47 से, पू.भा. रा.शे. 5:39 तक	
श SAT	पौष कृष्ण द्वितीया रात 12:51 तक, **6**, मिथुन चं. मृगशिरा दिन 11:47 तक	पौष कृष्ण नवमी रात 7:38 तक, **13**, कन्या चं. उ.फा. दिन 9:27 तक	पौष शुक्ल प्रतिपदा समस्त, **20**, धनु चं. मूल रात 1:9 तक	पौष शुक्ल सप्तमी दिन 8:53 तक, **27**, मीन चं. उ.भा. रात 4:52 तक	

मूल विचार

मासारम्भ से
ता.2 को अश्विनी रात 6:18 तक।
ता.9 को श्लेषा प्रातः 8:26 से ता.11 को मघा प्रातः 7:58 तक।
ता.18 को ज्येष्ठा रात 8:19 से ता.20 को मूल रात 1:9 तक।
ता.27 को रेवती रात 4:52 से ता.29 को अश्विनी रात 2:20 तक।

सूर्यनक्षत्र

ता.3 को ज्येष्ठा दिन 12:1 से।
ता.16 को मूल व धनु राशि दिन 1:50 से।
ता.29 को पू. षा. दिन 11:41 से।

विवाह मुहूर्त

ता.1,4,5,6।
आगे खरमास दोष है।

व्रत-त्यौहार

1.सोम-मोक्षदा एकादशी व्रत, मौनी एकादशी-जैन, गीता जयंती।
2.मंगल-भौम प्रदोष व्रत।
3.बुध-कपर्दीश्वर महादेव दर्शन ज्येष्ठा के सूर्य दिन 12:1।
4.गुरु-स्नान-दान-व्रत की पूर्णिमा, श्रीदत्तात्रेय प्राकट्योत्सव, अन्तर्गृही यात्रा काशी।
8.सोम-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चं.उ. रात 8:47।
12.शुक्र-शुक्रास्त पश्चिम में रा.12:7।
14.रवि-पौष दशमी-जैन।
15.सोम-सफला एकादशी व्रत, पार्श्वनाथ जयंती।
16.मंगल-धनु संक्रांति दिन 1:50, खरमास प्रारम्भ।
17.बुध-प्रदोष व्रत।
18.गुरु-मास शिवरात्रि व्रत।
19.शुक्र-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या।
21.रवि-चन्द्रदर्शन।
23.मंगल-वैना. गणेश चतुर्थी व्रत।
25.गुरु-बड़ा दिन (क्रिसमस-डे), पं. मदनमोहन मालवीय जयंती।
27.शनि-गुरु गोविन्द सिंह जयंती-प्रा.मत।
29.सोम-पू.षा. के सूर्य दिन 11:41।
30.मंगल-पुत्रदा एकादशी व्रत।
31.बुध-नववर्ष की पूर्व सन्ध्या।

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयन्ती सितम्बर के पृष्ठ पर देखें

राशि-फल

मेष- संतान की प्रगति होगी, सरकारी कर्मचारियों की व्यस्तता बढ़ेगी।
वृष- आय से व्यय ज्यादा होने से मन उदास रहेगा, व्यवसाय में परिवर्तन होगा।
मिथुन- शुभ एवं अच्छे कार्यों में रुचि बढ़ेगी ईश्वर के प्रति आस्था में कमी आयेगी।
कर्क- न्यायालय के कार्य में पूर्ण सफलता नहीं मिलेगी, पुत्रों का सहयोग नहीं मिलेगा।
सिंह- शनि की ढैया का प्रभाव रहेगा, मित्रों से वियोग, कुटुम्बीय कलह होगा।
कन्या- भूमि, भवन, वाहन के प्राप्ति का योग है, नेत्र रोग से कष्ट होगा।
तुला- स्थायी सम्पत्ति का लाभ होगा, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
वृश्चिक-घरेलू अपव्यय से परेशानी बढ़ेगी यात्रा में कष्ट सम्भव है।
धनु- नौकरी में प्रतिकूल स्थानान्तरण सम्भव है, नेत्र कष्ट की सम्भावना है।
मकर- राजकीय एवं न्यायालय सम्बन्धित कार्यों में सफलता मिलेगी।
कुम्भ- अनावश्यक भ्रमण करना पड़ेगा, शनि आप के राशि का स्वामी है।
मीन- शनि की साढ़े साती के प्रभाव से कुछ न कुछ परेशानियाँ आती रहेंगी।

आकाशी-लक्षण

मौसम में अचानक गिरावट, पहाड़ों पर बर्फवारी, पूर्वी-दक्षिणी हिमांचल प्रदेश, कश्मीर, गढ़वाल, लद्दाख में भीषण वर्षा, घना कुहरा व उत्तराखण्ड शीत लहर की चपेट में रहेगा।

तारीख :	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय :	6:43	44	44	45	45	45	45	46	46	46	46	46	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47
सूर्यास्त :	5:17	16	16	15	15	15	15	14	14	14	14	14	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13

नवम्बर-2025

रवि	30	2	9	16	23
सोम		3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध			12	19	26
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

विज्ञापन 2025

←विज्ञापन हेतु स्थान-10½"×2"

पंचांग पर नाम पता छपवाकर बाँटने वाले इच्छुक कीटि, क्लब, संस्था व व्यापारिक वर्ग प्रकाशक से सम्पर्क करें पंचांग साइज 11"×17" चार रंग में छपा हुआ। मो. नं. 07233013544 0542-2392543,2392471

जनवरी-2026

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	
मंगल		6	13	20	27
बुध		7		21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

CLEANSE THE LIVER

भोजन द्वारा लीवर का घरेलू उपचार

विस्तृत रोग - दवा दिसम्बर के पीछे देखें।

भारत का भविष्यफल सन् 2025 ई.

श्री द्वारिका प्रसाद अग्रवाल
पुत्र- स्व. ठाकुर प्रसाद गुप्त

भोजन द्वारा रोगों का उपचार

डाईबिटीज का घरेलू उपचार– 1. एक चम्मच मेथी या दो आम की पत्ती, आधा गिलास पानी में रात को भिंगोकर सुबह खाली पेट पीयें। **2.** दालचीनी, सेब व जामुन का सिरका, जामुन व जामुन के बीज का चूर्ण। **3.** फल- सन्तरा, अमरूद, आँवला, आडू, चकोतरा। **4.** सब्जी-करेला, नींबू, भिण्डी, प्याज, खीरा, टमाटर व अन्य हरी सब्जी खायें। **5.** चावल- ब्राउन राइस, कुट्टू का चावल व सभी छिलके वाली दालों का प्रयोग करें।

कंधा, पीठ एवं जोड़ों के दर्द का घरेलू उपचार–ये रोग विटामिन-D एवं कैल्शियम की कमी से होता है। सुबह की धूप, काली तिल, मशरूम, दही, सन्तरा, शकरकन्द, कीवी, शिमला मिर्च। काडलीवर आयल (दवा की दुकान पर मिलता है), अण्डा, मछली (सैलमन, मैक्रील, सारडीन, टूना) (कूलर एवं Ac के सामने न सोएँ, ठण्डी चीजों का सेवन न करें)।

कोलेस्ट्राल कन्ट्रोल हार्ट की बीमारी को दूर रखे– अखरोट, बादाम, अलसी (तीसी), दालचीनी, ग्रीन-टी, काली तिल, लहसुन, सेब, तरबूज, केला, सन्तरा, कीवी, अबैकाडो, गाजर, टमाटर, पत्तागोभी, प्याज, शिमला मिर्च, खीरा, लालमिर्च, हरी मटर, बीन्स ये सभी चीजें मोटाई व चिकनाई को काटती हैं। (विस्कुट, नमकीन, कोल्डड्रिंक्स एवं तली हुई चीजों का परहेज करें।) सभी सब्जियां का कच्चा सलाद खाना ज्यादा फायदेमन्द है।

हाई-बी.पी. के लिए घरेलू उपचार–तीसी (अलसी), मेथी या अड़हुल का फूल पानी में रात को भिगोकर सुबह पीये, नारियल का पानी, दही, लहसुन, किशमिश, अमरूद, केला, तरबूज, सन्तरा, नींबु, आँवला, अबैकाडो, प्याज, टमाटर, कीवी, शकरकन्द, ब्रोकली, करैला, सहजन। (कच्चा नमक एवं तली चीजें न खाएँ। अलग से नमक भी न खाएँ।) **नोट-** धूम्रपान, शराब, पान-मसाला न खायें क्योंकि इन सबसे वी.पी. बढ़ता है।

दिमागी ताकत के लिए–अखरोट, बादाम, अनार, सफेद तिल, कद्दू का बीज, दही, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, काली तिल। (रात में बरफ व ठंढी चीजें न पीये। जिनको नींद की शिकायत हो)।

अनिद्रा के लिए–मछली, अलसी (तीसी), कद्दू का बीज, दही, शहद, बादाम।

थाइराइड के लिए–नारियल, काडलीवर आयल, (अश्वगन्धा जड़ी का प्रयोग दस दिन से ज्यादा न करें)। पत्तागोभी, हरी गोभी (ब्रोकली) कच्चा न खाएं।

पैरालाइसिस (लकवा)–लहसुन, काली तिल, बैगन, मूली। (किसी एक्सपर्ट की राय से नियमित व्यायाम करें)।

स्त्री रोग–सन्तरा, नींबू, करौंदा, अमरख व अन्य सभी खट्टे फल तथा ठंढई-खरबूजा के बीज-100 ग्राम, तरबूजा के बीज-100 ग्राम, छोटी इलायची व गोल मिर्च स्वादानुसार, मोटी सौंफ-100 ग्राम, पोस्ता दाना-100 ग्राम, गुलाब की पत्ती-50 ग्राम।

चर्म रोगों के लिए घरेलू उपचार–ये रोग विटामिन-C की कमी से होता है। सन्तरा, शिमला मिर्च, दही, अखरोट, नीम की पत्ती, कीवी, शकर-कन्द. नींबू व सभी खट्टे फल जैसे- मुँहासे व अन्य सभी चर्म रोग में लाभदायक है। **न खाएँ-**कच्चा नमक, चाय, चाकलेट, कोल्ड्रिक, तली चीजें, मलाई, खोवा, अजवाइन एवं मांस इत्यादि। **पानी ज्यादा पियें।**

शरीर के विकार को दूर करने वाले भोजन–सभी खट्टे फल जैसे- नीबू, संतरा इत्यादि, शैलजम, शिमला मिर्च, अखरोट, हल्दी, काली मिर्च, लहसुन, खीरा, हरी गोभी (ब्रोकली), छिलके वाली दाल, गेहूँ की दलिया।

शरीर को ठंडा रखने वाले फल एवं सब्जियाँ– नारियल, खरबूजा, तरबूजा, संतरा, नींबू, आम, कीवी, सेब, खीरा, टमाटर, पत्तागोभी, ब्रोकली, कटहल, गेहूँ के ज्वार इत्यादि।

ऊपर लिखी चीजों को नित्य भोजन में शामिल कर बदल-बदल कर लेने से रोग जल्द ही दूर हो जायेंगे।

विक्रम संवत् 2082 का आरम्भ 30 मार्च 2025, रविवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हो रहा है। इस वर्ष कालयुक्त नामक संवत्सर होगा। नित्य संकल्पादि विनियोग में कालयुक्त नामक संवत्सर का प्रयोग होगा। इस वर्ष राजा मंत्री दोनों रवि हैं। अतः केन्द्र सत्ता व राज्यों के मध्य सामन्जस्य रहेगा। जगल्लग्न के विचार से विश्व में सामरिक गतिविधियां तेज होंगी। प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीति प्रतिकूल होगी।

पश्चिम राष्ट्रों में युद्धादि भय होगा। यवन तथा मुस्लिम राष्ट्रों में मँहगाई से जनता को कष्ट होगा। कहीं पदत्याग तथा राजनैतिक हत्याकाण्ड की घटना घटित होगी। किसी मुस्लिम राष्ट्र के प्रधान नेता के समक्ष विषम परिस्थितियाँ प्रगट होंगी। आरोपों के साथ मानहानि होगी। लोकहित में कार्य होंगे। सरकारी कोष तथा उद्योग धन्धों में वृद्धि होगी। सूचना प्रसारण तथा प्रकाशन हेतु मास कष्टकारी है। पशुओं को रोग होंगे। ज्वरादि का प्रकोप बढ़ेगा। उत्तर पश्चिम भाग में जन उपद्रव व अग्निकांड से क्षति संभव है। विपक्षी प्रबल होंगे। धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं, चिकित्सालयों तथा सार्वजनिक उपक्रमों के संचालन में धन की कमी होगी। बन्दी सुधार गृहों में अराजकता होगी। कर्मचारियों द्वारा हड़ताल व आन्दोलन होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति का निधन संभव है। राष्ट्रविरोधी षडयंत्रकारी कार्य होंगे। बजट जन अपेक्षा अनुरूप नहीं होगा। अपराधिक घटनायें बढ़ेगी। यान दुर्घटना संभव है। उत्तरी पूर्वी प्रान्तों तथा सूदूर पूर्वी प्रान्तों में कानून व्यवस्था की हानि होगी।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रगति होगी। दक्षिणी गोलार्ध के देशों में अग्निकाण्ड से क्षति होगी। कुछ राष्ट्र रोग अथवा महामारी से प्रभावित होंगे। विश्व में विनाशकारी शस्त्रों का भय होगा। उत्पादन में वृद्धि होगी। श्रमिकों तथा कर्मचारियों की समस्या का समाधान होगा। पश्चिमोत्तर भाग में राजनैतिक अस्थिरता तथा हिंसा होगी। चक्रवात का प्रकोप होगा। वाहन दुर्घटना तथा साम्प्रदायिक तनाव होंगे। अपराध तथा उपद्रवों की अधिकता होगी। मुस्लिम राष्ट्रों में मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा। पूर्वोत्तर राज्यों में राजनैतिक उथल-पुथल, अग्निकाण्ड, बम-विस्फोट आदि से जनता को कष्ट होगा। महँगाई से जन-साधारण में असन्तोष, कहीं भयंकर भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदा से जनधन की हानि होगी। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कहीं भयंकर युद्ध की संभावना, कहीं भयंकर बाढ़ की स्थिति बन सकती है। किन्हीं दो देशों में तनाव से अमेरिका आदि देश राजनीतिक लाभ उठायेंगे। तूफान चक्रवात से भयंकर हानि हो सकती है। पाकिस्तान एवं किसी समृद्ध राष्ट्र नायक को भारी परीक्षा की घड़ी से निकलना पड़ेगा। चीन, जापान, रूस, तिब्बत आदि में भूकम्प, प्राकृतिक प्रकोप से धन हानि, दक्षिणी प्रान्तों में वाहन, यान दुर्घटना होगी। राहु, मंगल का षडाष्टक योग से मुस्लिम राष्ट्रों के प्रमुख शासकों को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। विश्व व्यापार में परिवर्तन बनकर सुधार होने पर भी अनेक देशों में महँगाई, बेरोजगारी की समस्या आयेगी। वाद-विवाद व हंगामों का वातावरण बार-बार होगा। जिससे विकास में रुकावटें आयेंगी। राहु गुरु का नव पंचम योग एवं शनि मंगल का षडाष्टक योग से यूरोपीय देशों के सामने जटिल समस्यायें आयेंगी। आपसी विरोधी विचारधारा के कारण वीटो अधिकार योग करने से विवश होंगे। पाकिस्तान में आतंकवादी भस्मासुर पाक में ही बगावत का कारण बनेगा। राजनीतिक हत्या काण्ड होंगे। सेना शासन में सक्रिय रहेगी। भारत में नयी-नयी योजना बनेगी, जिससे महँगाई में कमी आयेगी। चीन, बंगलादेश, पाकिस्तान की गतिविधि पर ध्यान देना होगा। सीमाओं पर अतिक्रमण हो सकता है। भीषण दुर्घटना से जन धन की हानि होगी। अमेरिका, केनेडा, ब्रिटेन, स्पेन, इटली आदि देशों में मुद्रा अवमूल्यन के कारण आर्थिक मन्दी का वातावरण रहेगा। सूर्य राहु का षडाष्टक योग से भारत में राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ संघर्ष पूर्ण होंगी। नेपाल में माओवादी व आई.एस.आई के बढ़ते सहयोग से भारत की सीमा प्रान्त प्रभावित होंगे। बाद की स्थिति भयावह हो सकती है। पूर्वी राष्ट्रों में वर्मा, भूटान, चीन, जापान में भूकम्प बार-बार होगा। उत्तरी प्रान्तों के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। अफगानिस्तान में सिया सुन्नी टकराव खतरा बनकर उभरेगा। वहाँ पर आतंकवादी हरकतों से हानि, भय तथा जनाक्रोश बढ़ेगा। केन्द्र स्थल व उत्तर प्रदेश, बिहार के क्षेत्रों में जनता में क्रोध की स्थिति बढ़कर तोड़फोड़, अग्नि काण्ड से हानि होगी। थोड़े समय के लिये चार ग्रहों का योग बनने से चीन, जापान, वियतनाम, रूस, तिब्बत, वर्मा आदि में भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन हानि होगी। गुरु राहु का नव पंचम योग से छत्तीसगढ़, जम्बू काश्मीर आदि प्रान्तों में उग्रवादी ग्रुपों द्वारा भारी जन-धन की हानि होगी। बिहार में राजनीति गर्म रहेगी। अरब, ईरान, ईराक तथा पाकिस्तान राष्ट्रों में शासकों में आपसी मतान्तर बनकर विग्रह बढ़ेगा। संवेदनशील क्षेत्रों में तथा अशान्त सीमा प्रान्तों में सैन्यबल से संघर्ष होगा। कुछ मुस्लिम राष्ट्रों में भयंकर युद्ध की स्थिति बनेगी। जनता स्थानान्तरण के लिये विवश होगी। मुस्लिम देश पूर्वोत्तर भारत में इस्लामीकरण की मनोवृत्ति को प्रेरित करके उपद्रव करा सकते हैं। असम, त्रिपुरा की तरफ विशेष ध्यान दें। मेघालय, मणिपुर आदि बंगला देशी बहुल प्रदेश पश्चिमोत्तर बिहार के सीमा में वातावरण अशान्त होगा। उत्तरी प्रान्तों के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा आ सकती है। पूर्वी राष्ट्र वर्मा, भूटान, जापान में भूकम्प आ सकता है। जिससे जन जीवन अस्त व्यस्त होगा। देश में जटिल समस्याओं को उत्पन्न करेगा। ब्रिटेन, स्कॉटलैण्ड, जापान, रुस आदि में भारी परिवर्तन संभव है। यूरोप में किसी विशिष्ट प्रशासक व्यक्ति विशेष की मृत्यु व हत्या से शोक व्याप्त होगा। अग्नि काण्ड से हानि, कहीं विस्फोट व यान दुर्घटना से जन-धन की हानि का समाचार मिलेगा। इस समय फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ सकता है।

भारत में धार्मिक विषयों पर तेजी दिखेगी। विदेशी व्यापार में प्रगति एवं घरेलु उद्योगों में प्रगति होगी। अन्तरिक्ष विज्ञान तथा तकनीकि ज्ञान का प्रसार होगा। प्रकाशन के क्षेत्र में मंदी हो सकती है। किसी अवांक्षनीय घटना का प्रभाव विदेशी संबंधों पर पड़ेगा, जिससे व्यापारिक साख पर अल्पकालीन प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सरकार अपना कार्य दायित्व निष्ठापूर्वक करेगी। किसी प्रसिद्ध महिला राजनेता का वियोग होगा। सत्तापक्ष के समक्ष विपक्ष निर्बल होगा। किसी प्रमुख राष्ट्रीय दल में नेतृत्व परिवर्तन तथा विघटन का संकेत है। शेयर तथा सट्टा बाजार में अस्थिरता होगी। लौह, धातुओं, स्वर्ण, रजत में मंदी होगी। सर्राफा बाजार में तेजी होगी। उत्तरपूर्वी तथा दक्षिण में सैन्य संघर्ष तथा जातीसंघर्ष संभव है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राकृतिक प्रकोप तथा भूकम्पादि से क्षति होगी। बजट में नवीन करारोपण का तथा आवास तथा स्वास्थ्य, चिकित्सा संबधी नीतियां पर विशेष प्रस्ताव होगा।

पश्चिमोत्तर भाग में चक्रवाती प्रकोप रहेगा। वातावरण में उष्णता अधिक होगी। पूर्व दक्षिण भाग के कुछ भागों में जल संकट तथा अकाल पड़ेगा। देश के मध्यभाग में वर्षा की अधिकता तथा पूर्वी भाग के कुछ क्षेत्रों शुष्कता से फसल को क्षति होगी। दक्षिण समुद्र तटीय भाग में तूफान का प्रकोप रहेगा। खरीफ की फसल का उत्पादन उत्तम रहेगा। सम्पूर्ण धान्य उत्पन्न होंगे। अन्न में सस्ती रहेगी। रवी की फसल में साधारण हानि संभव है। तत्पश्चात उत्पादन संतोषप्रद रहेगा। रोग तथा कीटों से उपज को क्षति होगी। अनाज के भावों में प्रायः स्थिरता होगी।

विकसित देशों में सत्ता परिवर्तन होगा। पश्चिम में तथा पूर्वो भाग में सामाजिक व नस्लीय संघर्ष होगा। प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों तथा संस्थानों पर आरोप प्रत्यारोप होगा। कल्याणकारी संस्थाओं तथा वित्तप्रदायी संस्थानों को धन की कमी होगी। पश्चिम भूभाग पर विशेषकर फारस के यवन राष्ट्रों मे सैन्यसंघर्व, सत्तादखल तथा स्त्रीयों तथा बच्चों के प्रति अपराध तथा उत्पीड़न की घटनायें घटित होंगी। किसी पर्यटन स्थल पर अग्नि-काण्ड तथा अव्यवस्था से जनक्षति संभव है। अनैतिक आचरण तथा बाल अपराधों के प्रति जनाक्रोश होगा। पत्र-पत्रिकाओं, संचार माध्यमों पर सरकारी नियंत्रण रहेगा। पूर्वोत्तर भूभाग में मंगोल शासित राष्ट्र चीन तथा रुस में मानवाधिकार उल्लघंन तथा दमनकारी घटनायें होंगी। प्रमुख शेयर बाजारों में अल्पकालीन निवेश में उचित प्रतिफल प्राप्त नहीं होगा। सट्टा बाजार में क्षति, किसी वित्तीय अपराध का विषय प्रभावित करेगा। स्वर्ण में मंदी तथा चांदी तथा लौह पदार्थों के भावों में अल्प वृद्धि के पश्चात मंदी होगी। विलासित वस्तुओं का उत्पादन अधिक होगा। कारागृहों में अराजकता होगी। किसी संचारी रोग का प्रभाव दिखाई पड़ेगा। स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का प्रसार होगा।

—सम्पादक

ग्रहण विवरण

सन् 2025 में विश्व में कुल 4 ग्रहण लग रहे हैं। जिसमें 2 सूर्यग्रहण तथा 2 चन्द्रग्रहण है। भारत में एक चन्द्रग्रहण दृश्य होगा।

1. खग्रास चन्द्र ग्रहण—दिनांक 13/14 मार्च 2025 को लगने वाला खग्रास चन्द्र ग्रहण **भारत में दृश्य नहीं होगा।** यह ग्रहण यूरोप, अधिकांश मध्य एशिया, अधिकांश पश्चिम अफ्रीका, उत्तरी व दक्षिण अमेरिका, पैसफिक क्षेत्र, अटलांटिक, आर्कटिक, अन्टार्कटिका क्षेत्र में दृश्य होगा। यूनिवर्सल समयानुसार यह ग्रहण सूर्यास्त के समय खण्डचन्द्रग्रहण के रूप में इसका प्रारंभ घं. 5:9 पर होगा तथा इसका मोक्ष घं. 8:48 पर होगा। यूनिवर्सल समयानुसार खग्रासचन्द्रग्रहण का प्रारंभ घं. 6:25 पर होगा तथा इसका मोक्ष घं. 7:31 पर होगा। यह खग्रासचन्द्रग्रहण अमेरिका, मेक्कसिको, ब्राजील, पनामा, कोलम्बिया क्षेत्रों में दृश्य होगा। ग्रहण का मध्य घं. 6:59 पर होगा। इसका ग्रासमान 1.1784 पर होगा।

2. खण्ड सूर्य ग्रहण—दिनांक 29 मार्च 2025 का खण्डसूर्यग्रहण **भारत में दृश्य नहीं होगा।** यह ग्रहण यूरोप, उत्तर व पश्चिम अफ्रीका, अटलांटिक, आर्कटिक क्षेत्र में दृश्य होगा। यूनिवर्सल समयानुसार यह ग्रहण सुदूर उत्तर पूर्व क्षेत्र में इसका प्रारंभ घं. 8:50 पर होगा तथा इसका मोक्ष घं. 12:43 पर होगा। इस ग्रहण का मध्य घं.10:47 पर होगा। इसका ग्रासमान 0.9361 पर होगा।

3. खग्रास चन्द्र ग्रहण—भाद्रपदशुक्ल 15, रविवार 7 सितम्बर 2025 यह खग्रास चन्द्र ग्रहण **सम्पूर्ण भारत दृश्य होगा।** यह भारत के अलावा यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका के पश्चिम भाग में, दक्षिण अमेरिका के पूर्व में, रुस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, अटलांटिक, पैसफिक आर्कटिक, अन्टार्कटिका आदि क्षेत्रों में दृश्य होगा। भारतीय समयानुसार चन्द्रास्त के समय आस्ट्रेलिया महाद्वीप के पश्चिम भाग में ग्रस्तास्त खण्डचन्द्रग्रहण के रूप में इसका प्रारंभ रात 9:57 से होगा तथा चन्द्रोदय के समय अफ्रीका महाद्वीप के पश्चिम भाग में खण्डचन्द्रग्रहण मोक्ष रात 1:26 पर होगा। खग्रासचन्द्रग्रहण के रूप में यह भारतीय महाद्वीप, अरब क्षेत्र, चीन, आस्ट्रेलिया, रुस, चीन. जापान में दृश्य होगा। खग्रासचन्द्रग्रहण का प्रारंभ रात 11:1 से होगा तथा मोक्ष रात 12:23पर होगा। इस ग्रहण का मध्य रात 11:42 पर होगा इसका ग्रासमान 1.362 होगा।

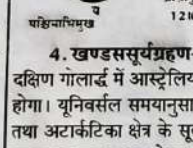

काशी	घटी	पल	घंटा मिनट	भा०मा०स० घं०मि०
स्पर्श	40	23	रा 9।57	21।57
मिल्लन	43	2	रा 11।1	23।01
मध्य	44	45	रा 11।42	23।42
उन्मीलन	46	28	रा 12।23	24।23
मोक्ष	49	5	रा 1।26	25।26

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
लाभ	मुख	माननाश	मृत्यु तुल्य कष्ट	स्त्रीपीड़ा	सौख्य
तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
चिंता	व्यथा	श्री	क्षति	घात	हानि

4. खण्डससूर्यग्रहण—21 सितम्बर 2025 ई०। यह खग्राससूर्यग्रहण **भारत दृश्य नहीं है।** यह सूर्यग्रहण केवल दक्षिण गोलार्द्ध में आस्ट्रेलिया महाद्वीप के दक्षिण भाग, अटलांटिक क्षेत्र, अन्टार्कटिका क्षेत्र में यह सूर्योदय के समय दृश्य होगा। यूनिवर्सल समयानुसार खण्डसूर्यग्रहण का प्रारंभ सायं 5:29 से फिजी द्वीपसूमह के सूदूर उत्तरीपूर्वीक्षेत्र से होगा तथा अटार्कटिका क्षेत्र के सूदूर दक्षिण पूर्वीक्षेत्र में इसका मोक्ष रात 9:54 पर होगा। यूनिवर्सल समयानुसार इस ग्रहण का मध्य रात 7:42 होगा। इसका ग्रासमान 0.8550 होगा।

सूतक विचार—धर्मशास्त्र के अनुसार चन्द्रग्रहण से 9 घण्टे पूर्व तथा सूर्यग्रहण में 12 घण्टे पूर्व ग्रहण का सूतक होता है। इसमें बालक, वृद्ध और रोगी को छोड़कर अन्य लोगों को भोजन आदि नहीं करना चाहिए। **विशेष**—सूर्यास्त पश्चात् इस सूर्य ग्रहण का मोक्षकाल माना जायेगा।

प्रयाग कुम्भ महापर्व

प्रयागराज में महाकुम्भ पर्व (12 वर्ष) के अन्तराल पर होता है, '**मेषराशि गते जीवे मकरे चन्द्रभास्करौ। अमावस्या तदा योगः कुम्भाख्यः तीर्थनायकौ॥ मकरे च दिवानाथे ह्यजगे च बृहस्पतौ। कुम्भयोगो भवेत्तत्र प्रयागे ह्यति दुर्लभः॥**' गुरु मेषराशि तथा सूर्य-चन्द्र के मकरराशि में होने पर ऐसा योग माघकृष्ण अमावस्या को होता है। उस समय प्रयाग में त्रिवेणी के संगम तट पर अमृत कणों की वर्षा होती है। किन्तु इस सन्दर्भ में एक अन्य श्लोक भी प्राप्त होता है। '**वृषराशि गते जीवे मकरे चन्द्रभास्करौ। अमावस्या तदा योगः कुम्भाख्यः तीर्थनायकौ॥ मकरे च दिवानाथे वृषराशिगते गुरौ। प्रयागे कुम्भयोगो वै माघमासे विधुभये॥** इसके अनुसार वृषराशि में गुरु और मकरराशि में सूर्य-चन्द्रमा के आने पर माघकृष्ण अमावस्या को प्रयागराज में महाकुम्भ पर्व होता है।

प्रयागराज में कुम्भ के तीन प्रमुख स्नान होते हैं—

1. प्रथम स्नान **मकर संक्रान्ति** (मेष या वृष में गुरु माघ माह में होने पर) 14 जनवरी, मंगलवार 2025।
2. द्वितीय स्नान **माघकृष्ण अमावस्या** (मुख्य स्नान, **मौनी अमावस्या**) 29 जनवरी, बुधवार 2025।
3. तृतीय स्नान **माघ शुक्ल पंचमी (बसन्त पंचमी)** 3 फरवरी, सोमवार 2025।

ज्योतिषकर्ता :
पं.श्री श्रीकान्त तिवारी
सामने घाट, वाराणसी
पं. श्री विशाल उपाध्याय
भदैनी, वाराणसी
पं. श्री पुनीत मिश्र
भरत नगर कालोनी, मौजा हाल,
पंचक्रोशी मार्ग, पाण्डेयपुर, वाराणसी-7
श्री छेदीराम (ज्योतिर्विद)
भोजूबीर, सदर तहसील, वाराणसी

प्रकाशक :
रुपेश ठाकुर प्रसाद प्रकाशन
कचौड़ीगली, वाराणसी-1
फोन-0542-2392543, 2392471
E-Mail : rupeshpanchang@gmail.com
मुद्रक : **भारत प्रेस**, कचौड़ीगली, वाराणसी-1

हर प्रकार की पुस्तकों के प्रकाशक, मुद्रक एवं थोक विक्रेता—
श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, कचौड़ीगली, वाराणसी-1